अभ्यास पत्रक

पाठ: 6 - गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) "बीती ताहि बिसारि दे" पंक्ति में कवि क्या भूलने की सलाह दे रहे हैं?

(क) भविष्य की चिंता (ख) वर्तमान के सुख (ग) जो बीत चुका है (अतीत) (घ) मित्रों के नाम

(ii) कवि किस पर अपना मन (चित्त) लगाने के लिए कहते हैं?

(क) जो काम बहुत कठिन हो (ख) जो काम आसानी से बन सके

(ग) दूसरों के कामों पर (घ) केवल धन कमाने पर

(iii) कवि के अनुसार बीती बातों को भूलने से क्या लाभ होगा?

(क) धन की प्राप्ति होगी (ख) दुर्जन मित्र बन जाएँगे

(ग) भविष्य में सुख मिलेगा (घ) व्यक्ति शक्तिशाली हो जाएगा

(iv) कवि किस बात पर मन में विश्वास (परतीती) करने को कहते हैं?

(क) धन ही सब कुछ है (ख) बीती बातों को भूलकर ही आगे सुख है

(ग) दुर्जन कभी नहीं हँसते (घ) हर काम कठिन होता है

(v) "दुर्जन हँसै न कोइ" का क्या अर्थ है?

(क) कोई भी सज्जन व्यक्ति न हँसे (ख) कोई भी दुष्ट व्यक्ति मजाक न उड़ाए

(ग) सभी लोग मिलकर हँसें (घ) कभी भी हँसना नहीं चाहिए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) कवि अतीत को भुलाकर किस पर ध्यान देने को कहते हैं?

उत्तर- .....

(ii) हमें अपना चित्त किस बात में लगाना चाहिए?

उत्तर- .....

(iii) यदि हम सही काम करेंगे तो मन में क्या नहीं रहेगा?

egyanarchive

उत्तर- .....

(iv) "आगे की सुधि लेइ" का क्या मतलब है?

उत्तर- .....

(v) कवि के अनुसार हमें किस बात को समझ लेना चाहिए?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "जो बनि आवै सहज में, ताही में चित देइ।" - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) कवि गिरिधर के अनुसार भविष्य को सुखद कैसे बनाया जा सकता है?

उत्तर- .....

.....

(iii) कवि ऐसा काम करने की सलाह क्यों देते हैं जिससे दुष्ट लोगों को हँसने का मौका न मिले?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) दूसरी कुंडली में कवि गिरिधर ने सुखी जीवन जीने के लिए क्या-क्या सलाह दी हैं? विस्तार से समझाइए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) जो बीत चुका है (अतीत)

(ii) (ख) जो काम आसानी से बन सके

(iii) (ग) भविष्य में सुख मिलेगा

(iv) (ख) बीती बातों को भूलकर ही आगे सुख है

(v) (ख) कोई भी दुष्ट व्यक्ति मजाक न उड़ाए

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) कवि अतीत को भुलाकर भविष्य (आगे) पर ध्यान देने को कहते हैं।

(ii) हमें अपना चित्त उस काम में लगाना चाहिए जो सहजता से पूरा हो सके।

(iii) यदि हम सही काम करेंगे तो मन में कोई खता (गलती का बोझ) नहीं रहेगा।

(iv) "आगे की सुधि लेइ" का मतलब है भविष्य की चिंता करना या भविष्य का ध्यान रखना।

(v) कवि के अनुसार हमें यह समझ लेना चाहिए कि जो बीत गया सो बीत गया।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) इस पंक्ति का आशय है कि हमें अपना ध्यान और ऊर्जा उन्हीं कार्यों पर केंद्रित करनी चाहिए जिन्हें हम अपनी क्षमता के अनुसार आसानी से और सफलतापूर्वक कर सकते हैं, न कि असंभव कार्यों के पीछे भागना चाहिए।

(ii) कवि के अनुसार भविष्य को सुखद बनाने का तरीका है कि हम अतीत की बुरी बातों और असफलताओं को भूल जाएँ और अपना पूरा ध्यान भविष्य को बेहतर बनाने पर लगाएँ।

(iii) कवि ऐसी सलाह इसलिए देते हैं क्योंकि जब हम कोई गलत या असफल कार्य करते हैं, तो दुष्ट प्रवृत्ति के लोग हमारा मजाक उड़ाते हैं, जिससे हमें मानसिक कष्ट होता है। सही और सफल कार्य करने से हम ऐसे उपहास से बच जाते हैं।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) दूसरी कुंडली में कवि गिरिधर ने सुखी जीवन जीने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण सलाह दी हैं:

- **अतीत को भूलना:** सबसे पहली सलाह यह है कि हमें अपने अतीत की बुरी यादों, गलतियों और असफलताओं को भूल जाना चाहिए ("बीती ताहि बिसारि दे")।
- **भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना:** अतीत में उलझे रहने के बजाय हमें अपना पूरा ध्यान आने वाले कल यानी भविष्य को सुधारने पर लगाना चाहिए ("आगे की सुधि लेइ")।
- **सहज कार्यों को प्राथमिकता देना:** हमें अपनी ऊर्जा उन कार्यों में लगानी चाहिए जो हमारी क्षमता के अनुसार हों और जिन्हें सहजता से पूरा किया जा सके ("जो बनि आवै सहज में ताही में चित देइ")।
- **मानसिक शांति बनाए रखना:** हमें ऐसे काम करने चाहिए जिससे दुष्ट लोगों को हम पर हँसने का मौका न मिले और हमारे मन में किसी प्रकार की गलती का बोझ या अपराध बोध न रहे ("दुर्जन हँसै न कोइ चित्त में खता न पावै")। संक्षेप में, कवि का संदेश है कि अतीत से बाहर निकलकर, समझदारी से भविष्य के लिए सहज प्रयास करने से ही जीवन में सुख और शांति मिल सकती है।